passed by the Lok Sabha at its sitting held on the 19th December, 1969, has been passed by the Rajya Sabha at its sitting held on the 20th March, 1970, with the following amendments:

Enacting Formula

1. That at page 1, line 1, *for* the word "Twentieth" the word "Twenty-first" be *substituted*.

Clause 1

2. That at page, 1, line 4, *for* the figure "1969" the figure "1970" be *substituted*.

I am therefore, to return herewith the said Bill in accordance with the provisions of rule 128 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Rajya Sabha with the request that the concurrence of the Lok Sabha to the said amendments be communicated to this House.'

SUPREME COURT (ENLARGEMENT OF CRIMINAL APPELLATE JURISDICTION) BILL

AS RETURNED BY RAJYA SABHA

SECRETARY : Sir, I lay on the Table of the House the Supreme Court (Enlargement of Criminal Appellate Jurisdiction) Bill, 1969 which has been returned by Rajya Sabha with amendments.

12.48 hrs.

ESTIMATES COMMITTEE HUNDRED AND TENTH REPORT

SHRI SRADHAKAR SUPAKAR (Sambal pur) : I beg to present the Hundred and tenth Report of the Estimates Committee regarding action taken by Government on the recommendations contained in their Eighty-fourth Report on the Ministry of Home Affairs—Central Vigilance Commission.

श्री देवराव पाटिल (यवतमाल) : अध्यक्ष महोदय, लोक लेखा समिति के प्रतिवेदन पेश करने के पहले मुझे आप से प्रार्थना करनी है कि यह पबलिक एकाऊंट्स कमेटी और ऐस्टिमेट्स कमेटी की रिपोर्ट बहुत महत्वपूर्ण होती हैं और इस हाउस में कई बार चर्चा हुई है कि उनकी कापी हिन्दी में सदस्यों को नहीं मिलती है तो मैं जानना चाहता हूँ कि हिन्दी में वह रिपोर्ट्स सदस्यों को सुलभ करने की दिशा में अभी क्या कार्यवाही हो रही है ?

अध्यक्ष महोदय : वह मैं आपको बाद में बतला दूंगा ।

श्री अटल बिहारी बाजपेयी (बलरामपुर): आप पार्लियामेंटरी अफेयर्स के मिनिस्टर से पूछ लीजिए कि वह हिन्दी में कब छपेंगी !

अध्यक्ष महोदय : वह बात चल रही है । मीटिंग हुई थी, कुछ प्रिंटिंग की डिफिकल्टी थी फरीदाबाद में प्रिंटिंग की कुछ कठिनाई थी, जिस दिन वह बात तय हो जायेगी मैं आप को खुद उस बारे में सूचित कर दूंगा । मैं हाउस को बाद में बतला दूंगा ।

श्री अटल बिहारी बाजपेयी : अगर हिन्दी में इन प्रतिवेदनों का छपाना मुश्किल हो तो वह साइक्लोस्टाइल करके मेम्बरों को दी जा सकती है ।

अध्यक्ष महोदय : बड़ी अच्छी बात है आप सब उनकी मदद करें ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (हापुड़): साइक्लोस्टाइल कराने में ज्यादा खर्चा होगा । अगर प्रेस में प्रिंट कराने में दिक्कत है तो निजी प्रेस में छपवा लिया जाय ।

अध्यक्ष महोदय : जैसे ही इस बारे में कोई बात तय होगी मै हाउस को उसके बारे में इत्तिला दे दूंगा ।